FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (NEP-2020)
Program: Bachelor in Art &Humanities(2024-28)
DISCIPLINE – SANSKRIT Literature
Session- 2024-25

DSC-01 to 08		DSE – 01 to 12		DGE – 01 & 02	
Code	Title	Code	Title	Code	Title
SNSC – 01	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल	SNSE –01	व्याकरण,अनुवाद तथा व्याकरणशास्त्र का इतिहास	SNGE-01	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल
SNSC – 02	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य	SNSE –02	भारतीयसंस्कृति	SNGE-02	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य
SNSC - 03	नाटक तथा व्याकरण	SNSE –03	संस्कृतपद्यसाहित्य		
SNSC – 04	काव्य तथा साहित्येतिहास	SNSE –04	पुराणेतिहास		
SNSC – 05	नाटक तथा व्याकरण	SNSE –05	संस्कृत रूपक एवं नाट्यशास्त्र		
SNSC – 06	काव्य एवं काव्यशास्त्र	SNSE –06	गीता एवं उपनिषद्		
SNSC – 07	काव्यशास्त्र तथा दर्शनशास्त्र	SNSE –07	संस्कृत अनुवाद एवं संगणक अनुप्रयोग		
SNSC - 08	वेद, भाषाविज्ञान तथा भाषाकौशल	SNSE –08	विभक्ति	VAC	
		SNSE –09	संस्कृत लेखन कौशल	SNVAC-01	संभाषण कौशल
		SNSE –10	वैदिकवाङ्मय	SEC	
		SNSE –11	भारतीयदर्शन	SNSEC-01	भारतीय रंगमञ्च
		SNSE –12	व्याकरण एवं भाषाविज्ञान		

Programe Outcomes (PO):

छात्रों में लेखन एवं वाचन में भाषागत कौशल का विकास होगा।
भाषिक ज्ञान के साथ अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा।
प्राचीन भारतीय विद्या की जानकारीपूर्वक राष्ट्रगौरव की चेतना विकसित होगी।
भारतीय सांस्कृतिक परम्परा से अवगत होकर विश्वमानवता के भाव में प्रतिष्ठित होंगे।
नैतिक तथा मानवीय मूल्यों को आत्मसात् कर राष्ट्रोन्नति में एक सक्षम मानव संसाधन सिद्ध होंगे।

Officer-In-Charge (Academic)
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

Chairman
Studies ....
eed Nandkumar Patel
idyalaya, Raigarh (C.G

Programe Specific Outcomes (PSO):

विश्व की सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा संस्कृत के स्वर्णिम अतीत तथा वर्तमान युग में उसकी प्रासंगिकता का अवबोध होगा।
संस्कृतभाषा में रचित अनेक शास्त्रों के अनुशीलन से शास्त्रीय ज्ञान सह तर्कपूर्ण मौलिक चिन्तन की क्षमता निर्मित होगी।
संस्कृत काव्य की विविध विधाओं से परिचय के फलस्वरूप भाषामर्मज्ञता का विस्तार होगा।
संस्कृत व्याकरण के अध्ययन से उच्चारण-लेखन की भाषिक दक्षता प्राप्त होगी।
भारतीय मनीषा द्वारा विश्व को प्रदत्त ज्ञानावदान की जानकारी राष्ट्रगौरवानुभूतिपूर्वक मौलिक चिन्तन-सर्जन की प्रेरणा प्रदान करेगी।

---*---

Chairman
f Studies ....
eed Nandkumar Patel
idyalaya, Raigarh (C.G

Officer-In-Charge (Academic)
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program: Bachelor in Arts (Certificate/Diploma/Degree/Honors)		Semester- I		Session 2024-25
1	Course Code	SNSC – 01		
2	Course Title	नाटक, व्याकरण और भाषाकौशल		
3	Course Type	DSC		
4	Pre-requisite (if any)	As per program		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	प्राचीन नाट्यसाहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज तथा लोक-व्यवहार एवं भाषा आदि का ज्ञान होगा। मानवीय जीवनमूल्य, संवेदनाओं तथा गुणों को आत्ममात्करने की प्रेरणा मिलेगी। विश्वम्वीकृत सर्वश्रेष्ठ व्याकरणशास्त्र की विशेषताओं से परिचय होगा। वर्णमाला की सहज जानकारीपूर्वक शब्दों के योग तथा विच्छेद का ज्ञान प्राप्त होगा। शब्दों के आधिकारिक ज्ञान के साथ संभाषण एवं लेखन में दक्षता प्राप्त होगी।		
6	Credit Value	04 Credits	Credit = 15 Hours- learning & Observation	
7	Total Marks	Max. Marks :100		Min. Passing Marks :40

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60 Periods (60 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	संस्कृतनाटक परिचय स्वप्नवासवदत्तम्–प्रथम से चतुर्थ अंक पर्यन्त। (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
II	स्वप्नवासवदत्तम्–पंचम अंक से समाप्तिपर्यन्त। (व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न)	15
III	संस्कृत संभाषण तथा लेखन - (निम्नलिखित अनुसार शिक्षण केन्द्रित होगा।) सुबन्त (शब्दरूप) - देव, भानु, पितृ, करिन्, भवत्, कर्तृ, आत्मन्, लता, मति, नदी,	15

	मातृ, फल, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्,अस्मद्, युष्मद्, एक, द्वि, त्रि, चतुर्। तिङन्त (धातुरूप)-भ्वादि, दिवादि, तुदादि, चुरादि, इन चार गणों के धातुओं के लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ्लकारों के रूप एवं अस् और कृ धातु के उक्त लकारों के रूप। अव्यय-अत्र, यत्र, तत्र, कुत्र, अन्यत्र, सर्वत्र, एकत्र, अधुना, इदानीम्, अद्य, श्वः, परश्वः, ह्यः,परह्यः,आम्,न, पुरतः, पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, यदा,तदा, कदा, सदा, सर्वदा, किम्, कुतः, कति, किमर्थम्, अतः।	
IV	प्रत्याहार, संज्ञा, सन्धि (लघुसिद्धान्तकौमुदी से परिचय अध्येतव्य)	15
Keywords	स्वप्नवासवदत्तम्,संस्कृतसंभाषण,सुवन्त,तिङन्त ,प्रत्याहार, संज्ञा, सन्धि	

The course of SNSC-01 & SNSC-02 considering as GE also for other faculties.

Signature of Convener & Members(CBoS) :

Officer-In-Charge (Academic)
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

Chairman
Board of Studies
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

PART – C : Learning Resources

Text Books and Others

Text Books Recommended –

1. स्वप्नवासवदत्तम् –श्री तारिणीश झा, प्रकाशक -रामनारायण वेनीमाधव, इलाहाबाद
2. स्वप्नवासवदत्तम्–वासुदेवकृष्ण चतुर्वेदी, प्रकाशक –महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा
3. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेवद्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. रचनानुवादकौमुदी – डा. कपिलदेव द्विवेदी, प्रकाशक– विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अनुवाद चन्द्रिका –डा. यदुनन्दन मिश्र,प्रकाशक -चौखम्बा ओरियन्टालिया, दिल्ली
6. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकान्त मिश्र शास्त्री, प्रकाशक - भारतीभवन
7. लघुसिद्धान्तकौमुदी – श्री महेश सिंह कुशवाह, प्रकाशक – चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
8. लघुसिद्धान्तकौमुदी – रामविलास चौधरी, प्रकाशक – मोतीलाल वनारसीदास, वाराणसी
9. रूपचन्द्रिका – ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, प्रकाशक –चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
10. संस्कृतस्यव्यावहारिकस्वरूपम् – डा. नरेन्द्र, प्रकाशक -श्रीअरविन्दआश्रम

Online Resources-		
Online Resources-		
PART – D: Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods : Maximum Marks : 100 Marks Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks End Semester Exam (ESE) : 70 Marks		
Continuous Internal Assessment (CIA): (By Course Teacher)	Internal Test /Quiz-(2) :20& 20 Assignment / Seminar- 10 Total Marks- 30	Better marks out of the two Test / Quiz +obtained marks in Assignment shall be considered against 30marks
End Semester Exam (ESE) :	Two section – A & B Section A :Q1Objective-10 × 1=10 MarksQ2 Short answer type-5 × 4=20Marks Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2from each unit-4 × 10=40 Marks	

Signature of Convener & Members(CBoS) :

Officer-In-Charge (Academic)
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

Chairman
Board of Studies .....
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program: Bachelor in Arts (Certificate/Diploma/Degree/Honors)		Semester- II		Session 2024-25
1	Course Code	SNSC – 02		
2	Course Title	प्राचीन एवं आधुनिक साहित्य		
3	Course Type	DSC		
4	Pre-requisite (if any)	As per program		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	विश्व के प्राचीनतम तथा भारत के ज्ञानागारभूत ग्रन्थ ऋग्वेद तथा अन्य वैदिक, पौराणिक साहित्य के अनुशीलन से प्राचीन ज्ञान-सम्पदा का बोध होगा। वैदिकसाहित्य में प्रतिपादित विश्वबन्धुत्व, सर्वात्मभाव तथा समत्वचिन्तन के उच्च आदर्शों से मानवीय सद्गुणों का आधान एवं विकास होगा। उपदेशात्मक ग्रन्थ से नैतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान की लब्धि होगी। ज्ञानार्जन के साथ उच्चारण एवं भाषिक क्षमता में अभिवृद्धि होगी। आधुनिक युग की संस्कृत रचनाओं की जानकारी प्राप्त होगी।		
6	Credit Value	04 Credits	Credit = 15 Hours - learning& Observation	
7	Total Marks	Max. Marks : 100		Min. Passing Marks : 40

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-Learning Periods (01 Hr. Per periode) 60 Periods (60 Hours)		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	वैदिक एवं पौराणिक साहित्य - वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांगों एवं पुराणों का संक्षिप्त परिचय	15
II	शुकनासोपदेश- व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	15
III	हितोपदेश (मित्रलाभ) व्याख्या तथा समीक्षात्मक प्रश्न	15
IV	आधुनिक संस्कृत कवि-परिचय - अप्पा शास्त्री राशीवडेकर, पंडिताक्षमाराव, जगन्नाथ पाठक,	15

	श्रीनिवासरथ, जानकीवल्लभ शास्त्री, वेंकटरामराघवन, अभिराजराजेंद्रमिश्र, डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, हर्षदेवमाधव, डॉ.रेवाप्रसाद द्विवेदी, डॉ.पुष्पादीक्षित, डॉ.कामता प्रसाद त्रिपाठी	
Keywords	वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांग, पुराण, शुकनासोपदेश,हितोपदेश,मित्रलाभ,आधुनिकसंस्कृतकवि	

The course of SNSC-01 & SNSC-02 considering as GE also for other faculties.

Signature of Convener & Members(CBoS) :

Officer-In-Charge
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

Chairman
Board of Studies
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

PART – C : Learning Resources

Text Books and Others

Text Books Recommended –

1. ऋक्सूक्तसंग्रह – तारिणीश झा, प्रकाशक – प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
2. ऋग्वेदसंहिता - श्रीमन्मोक्षमूलर भट्ट, प्रकाशक –कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
3. शुक्लयजुर्वेद संहिता - श्रीरामकृष्ण शास्त्री, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
4. पुराण-विमर्श –आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक–चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. वैदिकसाहित्यस्येतिहासः – डा. राजधर मिश्रः, प्रकाशक–श्याम प्रकाशन, जयपुर
6. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – आचार्य बलदेव उपाध्याय, प्रकाशक– शारदा मन्दिर, काशी
7. वैदिकसाहित्य और संस्कृति – वाचस्पति गैरोला, प्रकाशक -चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी
8. संस्कृतसाहित्यकाइतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
9. संस्कृतसाहित्य का समीक्षात्मक इतिहास– डा. कपिलदेव द्विवेदी
10. शुकनासोपदेश – प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
11. हितोपदेश (मित्रलाभ) - प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
12. हितोपदेश (मित्रलाभ) -आचार्य श्रीशेषराज शर्मा रेग्मी,प्रकाशक – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन,वाराणसी
13. हितोपदेश - नारायणराम आचार्य तीर्थ, प्रकाशक –चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
14. नवस्पन्दसम्पादक–डा. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक –मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल

e- Resources/ e-books and e-learning portals

e- Resources/ e-books and e-learning portals

PART – D: Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods : Maximum Marks : 100 Marks Continuous Internal Assessment (CIA) : 30 Marks End Semester Exam (ESE) : 70 Marks		
Continuous Internal Assessment (CIA): (By Course Teacher)	Internal Test /Quiz-(2) :20 & 20 Assignment / Seminar - 10 Total Marks - 30	Better marks out of the two Test / Quiz +obtained marks in Assignment shall be considered against 30 marks
End Semester Exam (ESE) :	Two section – A & B Section A :Q1 Objective-10 × 1=10 Marks Q2 Short answer type-5 × 4=20Marks Section B : Descriptive answer type qts. 1out of 2 from each unit-4 × 10=40 Marks	

Signature of Convener & Members(CBoS) :

Officer-In-Charge
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

Chairman
of Studies .....
Shaheed Nandkumar Patel
Vidyalaya, Raigarh (C.G.)

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program: Bachelor in Arts (Certificate/Diploma/Degree)		Semester- II/IV/V/VI		Session 2024-2025
1	Course Code	SNSEC-01		
2	Course Title	भारतीयरंगमञ्च		
3	Course Type	SEC		
4	Pre-requisite (if any)	As per program		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	>प्राचीनभारतीय रंगमञ्च का ज्ञान प्राप्त होगा >नाट्यविधा में दक्ष एवं निपुण होंगे। >नाट्यकौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा। >अभिनयकला एवं रंगमञ्च के क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित कर सकेंगे। >प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज, लोकव्यवहार, भाषा आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।		
6	Credit Value	02 Credits (1C + 1C)	Credit=15 Hours-Theoretical learning and =30 Hours Laboratory or Field learning / Training	
7	Total Marks	Max. Marks : 50		Min. Passing Marks : 20

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)

DEPARTMENT OF SANSKRIT

COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction				
Program: Bachelor in Arts (Certificate/Diploma/Degree)		Semester- II/IV/V/VI		Session 2024-2025
1	Course Code	SNSEC-01		
2	Course Title	भारतीयरंगमञ्च		
3	Course Type	SEC		
4	Pre-requisite (if any)	As per program		
5	Course Learning Outcomes (CLO)	>प्राचीनभारतीय रंगमञ्च का ज्ञान प्राप्त होगा >नाट्यविधा में दक्ष एवं निपुण होंगे। >नाट्यकौशल का विकास विद्यार्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा। >अभिनयकला एवं रंगमञ्च के क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित कर सकेंगे। >प्राचीन नाट्य साहित्य के अनुशीलन से तत्कालीन समाज, लोकव्यवहार, भाषा आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।		
6	Credit Value	02 Credits (1C + 1C)	Credit=15 Hours-Theoretical learning and =30 Hours Laboratory or Field learning / Training	
7	Total Marks	Max. Marks : 50		Min. Passing Marks : 20

PART – B Content of the Course		
Total No. of Teaching-learning Periods: Theory – 15 Periods (15 Hrs) and Lab. Or Field learning/Training 30 Periods (30 Hours)		
Module	Topic (Course Contents)	No. of Periods
Theory Contents	नाट्योत्पति, नाट्यलक्षण, नाट्यप्रयोजन तथा महत्त्व, संस्कृतनाट्य की प्रमुख विशेषताएँ नाट्य के पारिभाषिक शब्द-नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, नेपथ्य, विदूषक, जनान्तिकम्, प्रकाशम्, अपवारितम्, स्वगत, भरतवाक्य	
Lab./Field Training Contents	अभिनय-आङ्गिक,वाचिक, सात्विक, आहार्य नाट्य के भेदक तत्वों का सामान्य परिचय-वस्तु, नेता, रस रूपक के प्रकार- नाटक, प्रकरण, प्रहसन, नाटिका (दशरूपक)	
Keywords	नाट्योत्पति, नाट्यलक्षण, नाट्यप्रयोजन,अभिनय,नाट्य, वस्तु, नेता, रस, नान्दी, प्रस्तावना, सूत्रधार, नेपथ्य, विदूषक, जनान्तिकम्, प्रकाशम्, अपवारितम्, स्वगत, भरतवाक्य इत्यादि	

Signature of Convener &Members(CBoS) :

Chairman
Board of Studies .....
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

Officer-In-Charge (Academic)
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

PART – C : Learning Resources

नाट्यशास्त्र -भरतमुनि, पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

2. संक्षिप्त नाट्यशास्त्र (हिन्दी भाषा अनुवादसहित), राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, वाराणसी

3. नाट्यशास्त्र का इतिहास, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा विद्या भवन वाराणसी

4. दशरूपक, भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी

5. नाटक और रंगमञ्च, सीताराम झा, बिहार संस्कृत प्रकाशन, पटना

6. संस्कृत नाट्यकला, रामलखन शुक्ल, परिमल पब्लिकेशन, नईदिल्ली

7. भरतनाट्यशास्त्र में नाट्यशालाओं के रूप, डॉ. रायगोविन्दचन्द्र, काशी मुद्रणालय, विश्वेश्वरगंज, वाराणसी

8. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालयप्रकाशन वाराणसी

9. संस्कृत साहित्य का समग्र इतिहास खण्ड 1-4, राधावल्लभ त्रिपाठी, न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, दिल्ली

e- Resources/ e-books and e-learning portals

e- Resources/ e-books and e-learning portals

PART – D: Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods :

Maximum Marks :	50 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA) :	15 Marks
End Semester Exam (ESE) :	35 Marks

Continuous Internal	Internal Test /Quiz-(2) :10 &10	Better marks out of the two Test / Quiz

Assessment (CIA): (By Course Coordinator)	Assignment / Seminar +Attendance-05 Total Marks - 15	+obtained marks in Assignment shall be considered against 15 marks	
End Semester Exam (ESE) :	Laboratory / Field Skill Performance: On spot Assessment A. Performed the Task based on learned skill - 20 Marks B. Spotting based on tools (written) - 10 Marks C. Viva-voce (based on principle/technology) – 05 Marks		Managed by Coordinator as per skilling

Signature of Convener &Members(CBoS) :

Officer-In-Charge (Academic)
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

Chairman
Board of Studies .....
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G

FOUR YEAR UNDERGRADUATE PROGRAM (2024-28)
DEPARTMENT OF SANSKRIT
COURSE CURRICULUM

PART-A: Introduction			
Program: Bachelor in Arts (Certificate/Diploma/Degree/Honors)		Semester- I/III/V	Session 2024-2025
1	Course Code	SNVAC-01	
2	Course Title	संभाषणकौशल	
3	Course Type	VAC	
4	Pre-requisite (if any)	As per program	
5	Course Learning Outcomes (CLO)	• संस्कृत संभाषण में दक्ष एवं निपुण होंगे, जिससे विद्यार्थियों की भाषा के अध्ययन और ज्ञान में अनायास वृद्धि होगी। • संस्कृत संभाषण से भाषा और संस्कृति के प्रति स्वाभिमान उत्पन्न होगा। • भाषा कौशल का विकास विद्यर्थियों के आत्मविश्वास में वृद्धि करेगा। • प्रतियोगी परीक्षाओं तथा साक्षात्कार आदि में विद्यार्थियों के कौशल की वृद्धि होगी। • संस्कृत उच्चारण से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा ।	
6	Credit Value	02 Credits	Credit = 15 Hours - learning& Observation
7	Total Marks	Max. Marks : 50	Min. Passing Marks : 20

PART – B Content of the Course		
Unit	Topic (Course Contents)	No. of Periods
I	परिचय • मम नाम,भवतः नाम किम् इत्यादि। सर्वनाम एवं अव्यय प्रयोग • सः।सा।तत्।एषः।एषा।एतत्।अहम्।भवान्।भवती।आम्।न।वा।किम्।अस्ति।नास्ति।अत्रि।तत्र।कुत्र।सर्वत्र।अन्यत्र।एकत्र। • षष्ठी विभक्ति का प्रयोग • तस्य।एतस्य।कस्य • तस्याः।एतस्याः।कस्याः।मम।भवतः।भवत्याः। • आवश्यम्।मास्तु।पर्याप्तम्।धन्यवादः।स्वागतम्।	

	क्रियापदप्रयोग • गच्छति।आगच्छति।पठति।लिखति।खादति।पिवति।क्रीडति।वदति।उत्तिष्ठति।उपविशति।गच्छामि।आच्छामि।गच्छतु।आगच्छतु। संख्याअभ्यास • 1,2,3,4,5,6,7,8,9,10 • 10,20,30,40,50,60,70,80,90,100 समयअभ्यास 5:00, 5:15, 5:30, 4:45 (सपाद, पादोन, सार्द्ध, वादनम्)	
II	क्रियापद वहुवचन प्रयोग – • गच्छन्ति गच्छामः। गच्छन्तु। पिबन्ति। पिबामः। पिवन्तु। लिखन्ति। लिखामः। लिखन्तु। ...इत्यादि परिवर्तनाभ्यासः। द्वितीया विभक्ति अभ्यास • ग्रंथः, घटी, छात्रा।ग्रंथं ददातु, घटीं ददातु इत्यादिवत्। • पुरतः।पृष्ठतः।वामतः।दक्षिणतःउपरि।अधः।इतः।ततः।.....तः।गृहतः।कुतः। • कथम्? सम्यक्।शीघ्रंमंदम्।उच्चैःशनैः।पठनार्थम्, किमर्थम्। सप्तककार • किम्।कुत्र।कति।कदा।कुतः।कथं।किमर्थम्।एकैकम् उपयुज्य परस्परं प्रश्नाः।अपि।अस्तु।अहं न जानामि। .... कानिचन वाक्यानि।	
III	भूतकालीन क्रियापद पाठन – • गतवान् - पठितवान्लिखितवान्गतवती- पठितवती लिखितवती। विशिष्ट क्रिया पद अभ्यास– • करोमि कुर्मः।करोति कुर्वन्ति।ददामि दद्मः। ददाति ददति।शृणोमि शृण्मः।श्रृणोति श्रृण्वन्ति।जानामि जानीमः।जानाति जानन्ति। संबोधन • भो।श्रीमन्।मान्ये।मानिन्।मित्र।महोदय,राम,सीते! इत्यादि। संख्या • 21 से 50 तकसमय 1:00, 2:00, 3:00, 4:00 एतेषां वाक्यानाम् उपयोगेन वाक्यानि वाचनीयानि अतःइति।अस्मि,यदि तर्हि,यथा,तथा।पर्यन्तम्। क्तवतु प्रत्यय- • गतवन्तःपठितवन्तःलिखितवन्तः।गतवत्यःपठित्वत्यः- लिखितवत्यः। लिंग परिवर्तन अभ्यास • सःगतवान्सागतवती।अहंगतवान् अहंगतवती। कालपरिवर्तन अभ्यास	

	• गच्छति गतवान्गतवती। विशेषपाठन • आसीत्।आस्ताम्।आसन्। तृतीया विभक्ति • दंडेन।लेखन्या।पुष्पेण।सह।विना।अद्यतन।ह्यस्तन।श्वस्तन।पूर्वतन।इदानींतन। भविष्यत्कालीन पद पाठन	
IV	निम्नलिखितानां शब्दानां प्रयोगः नूतनम्,पुरातनम्,बहु,किंचित्।दीर्घः,ह्रस्वः,उन्नतः,वामनः,स्थूलः,कृशः। तुमुन्प्रत्यय पठितुं।लिखितुम्। किंतु।निश्चयेन।बहुशः।प्रायशः।किल,खलु। शक्नोति क्रिया का प्रयोग विशेषण विशेष्य भाव का अभ्यास सःउत्तमःबालकः।सा उत्तमा बालिका।तत् उत्तमं पुस्तकम् वाक्य विस्तार अभ्यास सःमम पुस्तकं प्रातःकाले पञ्चवादने पठितवान्।इतःपूर्वम् - इतःपरम्।क्त्वा, तुमुन्परिवर्तनाभ्यासःबहिःअंतः।रिक्तम् - पूर्णम्।इतोऽपि।चेत् - नोचेत्। संख्या-71 से 100 तक अतःयतःपरिवर्तनाभ्यासः।यद्यपि तथापि।यत्र-तत्र।कति-कियत्।एतयोः भेद ज्ञापनम्।यावत् - तावत्।यत्-तत्।यः - सः।या - सा।अस्माकम्।चित्..... द्वयम् (पुस्तकद्वयं, बालकद्वयम्) लिंगभेदःएकः,एका - एकम्। द्वौ–द्वे,द्वे। त्रयःतिस्रःत्रीणि। चत्वारःचतस्रःचत्वारि। अर्थम् - स्नानार्थम्, संस्कृतार्थम् तव्यत् – अनीयर्प्रत्यय का प्रयोग कुत्र गंतव्यम्।अद्य किं किं करणीयम् ?	
Keywords	परिचय, क्रियापद, अव्यय, संख्या, समय इत्यादि ।	

Signature of Convener &Members(CBoS) :

Officer-In-Charge (Academic)
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

Chairman
of Studies .....
Shaheed Nandkumar Patel
Vidyalaya, Raigarh (C.G.)

PART – C : Learning Resources		
Text Books and Others		
1. अभ्यासदर्शिनी-श्रीजनार्दनहेगडे, संस्कृतभारती, बंगलुरु		
e- Resources/ e-books and e-learning portals		
PART – D: Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods : Maximum Marks : 50 Marks Continuous Internal Assessment (CIA) : 15 Marks End Semester Exam (ESE) : 35 Marks		
Continuous Internal Assessment (CIA): (By Course Teacher)	Internal Test /Quiz-(2) :**10 & 10** Assignment / Seminar +Attendance-**05** Total Marks - **15**	Better marks out of the two Test / Quiz +obtained marks in Assignment shall be considered against **15** marks
End Semester Exam (ESE) :	**Two section – A & B** Section A :**Q1** Objective-**05×1 = 05** Marks **Q2** Short answer type-**5×2 =10Marks** Section B : Descriptive answer type qts. **1out of 2** from each unit-**4×05=20 Marks**	

Name and Signature of Convener & Members of CBoS :

Officer-In-Charge (Academic)
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G.)

Chairman
Board of Studies .....
Shaheed Nandkumar Patel
Vishwavidyalaya, Raigarh (C.G